चतुर्थ सेमेस्टर				
क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
4	स्वरवाद्य - रागों और तालों का अध्ययन IV	एम0पी0ए0एम0आई0 - 606	100	2
	इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों का पूर्ण वर्णन, तुलना एवं स्वर समूह द्वारा राग पहचानना।			
	इकाई 2 - संगीतज्ञों (शारंगदेव, अब्दुल हलीम जाफर खाँ, आचार्य बृहस्पति, पन्नालाल घोष, दबीर खाँ, पं0 विश्वमोहन भट्ट व उ0 शाहिद परवेज) का जीवन परिचय एवं भारतीय शास्त्रीय संगीत में योगदान।			
	इकाई 3 - संगीत के प्रसिद्ध ग्रन्थों (संगीत रत्नाकर, चतुर्दडिप्रकाशिका, नारदीय शिक्षा, संगीत मकरंद, संगीत चिंतामणि, संगीतांजली व संगीत पारिजात) का सामान्य अध्ययन।			
	इकाई 4 - संगीत संबंधी विषयों पर निबन्ध।			
	इकाई 5 - पाठ्यक्रम के रागों में मसीतखानी गत, स्थाई व अन्तरे के तोड़े आदि को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6 - पाठ्यक्रम के रागों में रजाखानी गत, स्थाई व अन्तरे के तोड़े आदि को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय व तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ व बिआड़) सहित लिपिबद्ध करना।			
नोट - विद्यार्थी तृतीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत रखे गए रागों व तालों के अनुरूप अध्ययन करें।				
चतुर्थ सेमेस्टर **राग – आसावरी-कोमल ऋषभ, मुल्तानी, ललित, बिलासखानी तोड़ी, श्री व पूरियाधनाश्री** **ताल - झूमरा, सूलताल, गजझम्पा ताल व 11 मात्रा की ताल**				
सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री - **1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 । 2. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण ।** **3. डॉ0 लक्ष्मीदनारायण गर्ग,राग विशारद(दोनों भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 । 4. पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।** **5. श्री विनायक राव पटवर्धन, राग विज्ञान(दोनों भाग)।**				